Regarding demolition of houses in Bihar without prior notice

श्री मनोज कुमार **(**सासाराम**)** : सभापति जी, आपने मुझे समय दिया, इसके लिए धन्यवाद । बिहार में एक अति महत्वपूर्ण विषय हेतु आपके माध्यम से मैं केंद्र सरकार और राज्य सरकार से निवेदन करना चाहूंगा । आपने देखा होगा कि बिहार में बिना किसी पूर्व सूचना के लाखों लोगों का घर अतिक्रमण के नाम पर ढहा दिया गया । उनमें सबसे अधिक संख्या में अनुसूचित जाति, जनजाति, अति पिछड़ा वर्ग, पिछड़ा वर्ग, अल्पसंख्यक व कुछ सामान्य वर्ग के गरीब लोग हैं । बिना सूचना के उनके घरों को बुलडोजर से ढहा दिया गया । लोग रोते रहे कि उन्हें कम से कम 10 दिनों का समय दे दें ताकि वे अपना टूटा-फूटा बिस्तर, सामान घर से बाहर निकाल लें, लेकिन उन्होंने नहीं सुना और घर पर बुलडोजर चलाकर लाखों गरीबों का घर ढहा दिया गया ।

महोदय, आपको पता होना चाहिए कि जितने भी रिक्शा चालक, दिहाड़ी मजदूर हैं, वे बड़ी संख्या में बिहार में रहते हैं । आपको पता ही है कि 3 से 4 करोड़ लोग बिहार छोड़ चुके हैं, लेकिन बिहार में जो रह रहे हैं, उनमें से भी लाखों लोगों को बेघर कर दिया गया है । सरकार की तरफ से यह प्रावधान है कि जिनका घर ढहाया गया है, उनको जमीन व घर मुहैया कराया जाए । पहले से ही मेरे संसदीय क्षेत्र सासाराम में रोहतास, नौहट्टा, तिलौथू के लोग पानी के लिए तरस रहे हैं । अधौरा, कैमूर पहाड़ी पर हजारों लोग अभी भी नदी का गंदा पानी पीने के लिए मजबूर हैं । ऐसे गरीब लोग, जो स्वास्थ्य, शिक्षा से वंचित हैं, उनका घर ढहाकर एक और मुसीबत देना ठीक नहीं है । वे आसमान के नीचे रहे हैं । उन पर तरस खाया जाए । धन्यवाद ।